रणजीत टाइम्स

इंदौर

शुक्रवार, 13 मार्च, 2026

वर्ष 02 | अंक 67 कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

मानहानि केस में शिवराज सहित तीन नेता दोषमुक्त, विवेक तन्खा ने वापस लिया मामला

जबलपुर। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, खजुराहो सांसद वीडी शर्मा और भाजपा विधायक भूपेंद्र सिंह को जबलपुर की एमपी/एमएलए विशेष अदालत ने मानहानि के मामले में दोषमुक्त कर दिया है। यह फैसला परिवादी राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा द्वारा मामला वापस लेने के बाद दिया गया। जबलपुर के एमपी/एमएलए कोर्ट के विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट डीपी सूत्रकर की अदालत में विवेक तन्खा की ओर से मानहानि प्रकरण वापस लेने

का आवेदन प्रस्तुत किया गया था, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया। इसके बाद तीनों नेताओं को मामले से राहत मिल गई।

दरअसल, मध्य प्रदेश पंचायत चुनाव के दौरान ओबीसी आरक्षण से जुड़े मामले में विवेक तन्खा की पैरवी को लेकर तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बयान दिया था। इस बयान को अपमानजनक बताते हुए तन्खा ने 10 करोड़ रुपये का मानहानि दावा और आईपीसी की धारा 500 के तहत आपराधिक शिकायत दर्ज कराई थी। मामला कई साल से अदालत में विचाराधीन था।

सिलेंडर संकट पर कांग्रेस सक्रिय, ब्लॉक स्तर पर बनेगी मदद टीम

भोपाल। एलपीजी सिलेंडर सप्लाई को लेकर बन रही स्थिति के बीच कांग्रेस ने आम लोगों की मदद के लिए ब्लॉक स्तर पर नेताओं और कार्यकर्ताओं को तैनात करने का फैसला किया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि जल्द ही जिम्मेदार नेताओं की सूची जारी की जाएगी, जो गैस से जुड़ी समस्याओं में लोगों की सहायता करेंगे।

पटवारी ने कहा कि मौजूदा हालात को देखते हुए कांग्रेस इसे गंभीर स्थिति मान रही है। ऐसे में हर ब्लॉक में एक-एक जिम्मेदार नेता को नियुक्त किया जाएगा, जो गैस सिलेंडर से जुड़ी परेशानियों में लोगों की मदद करेगा।

उन्होंने कहा कि कमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई प्रभावित होने से छोटे होटल, ढाबे और अन्य कारोबारियों पर भी असर पड़ रहा है, जिससे हजारों लोगों की रोजी-रोटी प्रभावित हो सकती है।

पटवारी ने कहा कि कांग्रेस इस स्थिति में आम लोगों के साथ खड़ी है और जरूरत पड़ने पर पार्टी कार्यकर्ता हर स्तर पर लोगों की मदद करेंगे।

लाइसेंस नवीनीकरण नहीं कराने पर भोपाल के 6 निजी अस्पतालों को नोटिस, 31 मार्च के बाद कार्रवाई

भोपाल। राजधानी भोपाल में लाइसेंस और पंजीयन का नवीनीकरण नहीं कराने वाले छह निजी अस्पतालों पर कार्रवाई की तैयारी शुरू हो गई है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) कार्यालय ने इन अस्पतालों को नोटिस जारी कर स्पष्ट किया है कि 31 मार्च 2026 के बाद बिना नवीनीकरण के उनका संचालन नहीं किया जा सकेगा। सीएमएचओ डॉ. मनीष शर्मा ने बताया कि मध्यप्रदेश उपचारगृह एवं रूजोपचार संबंधी स्थापनाएं (पंजीयन व अनुज्ञापन) अधिनियम 1973 के तहत निजी स्वास्थ्य संस्थानों का पंजीयन अनिवार्य है। अस्पतालों को एनएचएस पोर्टल के माध्यम से लाइसेंस नवीनीकरण के लिए करीब ढाई महीने का समय दिया गया था, लेकिन संबंधित संस्थानों ने निर्धारित अवधि में आवेदन नहीं किया। जिन अस्पतालों को नोटिस जारी किया गया है, उनमें जहरा अस्पताल (लालघाटी), सरदार पटेल अस्पताल (मोतिया तालाब रोड), राय हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, हेल्थ केयर हॉस्पिटल (गांधीनगर), भगवती गौतम अस्पताल (कोलार रोड) और सचिन ममता अस्पताल (पिपलानी) शामिल हैं। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि तय समय के बाद संचालन पाए जाने पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

नरसिंहपुर में स्टाम्प व डायवर्जन शुल्क घोटाला, बिल्डर व राजस्व अधिकारियों पर प्रकरण दर्ज

जबलपुर। आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ जबलपुर ने नरसिंहपुर जिले में स्टाम्प शुल्क और भूमि डायवर्सन शुल्क में हेराफेरी कर शासन को राजस्व हानि पहुंचाने के मामले में कार्रवाई करते हुए बिल्डर और राजस्व अधिकारियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। जांच में सामने आया कि मेसर्स कृष्णा कंस्ट्रक्शन कंपनी के संचालक सुभाष त्यागी ने ग्राम बंधी स्थित कृषि भूमि किसानों से लीज पर लेकर वर्ष 2018 से उसका व्यावसायिक उपयोग शुरू कर दिया था, लेकिन भूमि का विधिवत डायवर्सन नहीं कराया गया। पटवारी और राजस्व निरीक्षक की मिलीभगत से अभिलेखों में वास्तविक भूमि से कम क्षेत्र दर्ज किया गया, जिससे शासन को लगभग 9 लाख रुपये की हानि हुई। साथ ही लीज पंजीयन के दौरान उचित स्टाम्प शुल्क भी जमा नहीं किया गया, जिससे करीब 50 हजार रुपये की अतिरिक्त राजस्व हानि हुई। मामले में पटवारी विश्व प्रताप सिंह राजपूत, तत्कालीन राजस्व निरीक्षक अरुण तिवारी और बिल्डर सुभाष त्यागी सहित अन्य के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

महिला सशक्तिकरण और शहरी विकास के संगम का साक्षी बनेगा भारत मंडपम : आयुक्त भोंडवे

केंद्रीय मंत्री खट्टर उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को करेंगे सम्मानित

भोपाल (नप्र)। नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त श्री संकेत भोंडवे ने बताया कि विभाग द्वारा शहरी महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाने के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। वर्तमान में राज्य के 55 नगरीय निकायों में 312 स्व-सहायता समूहों की 1,028 महिलाओं को अमृत मित्र के रूप में 'जल गुणवत्ता परीक्षण' जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। ये समूह सार्वजनिक उद्यानों के रख-रखाव और केंद्र सरकार के 'वुमन फॉर ट्रीज़' कार्यक्रम के तहत पौधरोपण एवं उनकी सुरक्षा का दायित्व का भी सफलतापूर्वक निर्वहन कर रहे हैं। अमृत मित्र महोत्सव में मध्यप्रदेश की लगभग 300 महिलाएँ उत्साहपूर्वक भाग लेंगी। इस महोत्सव में उत्तर प्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र और राजस्थान सहित देश के विभिन्न राज्यों की अमृत मित्र महिलाएँ भी सम्मिलित हो रही हैं।

भारत सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा अमृत 2.0 के अंतर्गत स्व-सहायता समूह की महिलाओं के अतुलनीय योगदान को रेखांकित करने के लिये शुक्रवार 3 मार्च को नई दिल्ली के प्रतिष्ठित 'भारत मंडपम' में 'अमृत मित्र महोत्सव' का भव्य आयोजन किया जा रहा है।इस राष्ट्रीय समागम में देशभर से 'अमृत मित्र' के रूप में कार्यरत स्व-सहायता समूह की महिलाएँ, नगरीय निकायों के प्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारी सहभागिता करेंगे।

आंटी, वो अंकल चॉकलेट देकर गलत जगह छू रहे...

मासूम ने बताई पड़ोसी की करतूत, फिर पब्लिक ने निकाला जुलूस

शिवपुरी (नप्र)। कॉलोनी में खेल रही दो मासूम बच्चियों को पड़ोस में रहने वाला युवक चॉकलेट के बहाने अपने घर ले गया और गंदी हरकतें करने लगा। एक बच्ची को उसकी मंशा और हरकतें समझ आ गई और वह भागकर दूसरी बच्ची की मां के पास पहुंची और बताया कि अंकल आपकी बेटी को बेड टच कर रहे हैं। मामले ने तूल पकड़ा और थाने पर हंगामा कर दिया।

जानकारी अनुसार शिवपुरी के फिजिकल थानांतर्गत इंद्रा कालोनी क्षेत्र में दो बच्चियों के साथ पड़ोस में रहने वाले एक युवक ने चाकलेट देने के बहाने छेड़छाड़ कर दी। बच्चियों द्वारा घटना का खुलासा करने के बाद क्षेत्रीय लोगों ने युवक को पकड़ा और थाने ले आए। थाने पर तीन घंटे तक चले हंगामे के उपरांत आधी रात के बाद पुलिस ने आरोपी

युवक के खिलाफ आपराधिक प्रकरण कायम कर लिया है।

मामला दर्ज कर पुलिस ने निकाल दिया जुलूस

बच्ची ने अपने स्वजनों को बल्लू साहू द्वारा किए गए बैड टच के बारे में बताया। इसके बाद लोग आरोपित को लेकर थाने पहुंचे, जहां करीब तीन घंटे तक भीड़ ने प्रदर्शन किया तब कहीं, एडीशनल एसपी संजीव मुले के फिजिकल थाने पर पहुंचने के उपरांत एफआईआर हो सकी। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ अपराध धारा 75 (1) बीएनएस 11/12 पक्सो एक्ट का कायम कर विवेचना में लिया। इसके बाद आरोपित बल्लू साहू का जुलूस निकालकर उसे न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

चॉकलेट देकर की छेड़खानी

बताया जाता है कि 10 मार्च की शाम करीब 5 बजे छह साल की दो बच्चियां घर के बाहर खेल रही थीं, इसी दौरान पड़ोस में रहने वाला युवक बल्लू साहू, निवासी करैरा उन्हें चाकलेट का लालच देकर अपने साथ ले गया। इस दौरान मजदूरी करने वाले बल्लू ने बच्चियों के साथ बेड टच करते हुए छेड़छाड़ की। एक बच्ची किसी तरह उससे छूट कर भाग आई और सारी घटना अपनी दादी तथा दूसरी बच्ची की मां को बताई कि वहां अंकल आपकी बेटी के साथ बैड टच कर रहे हैं। इसके बाद सभी लोग किराए के कमरे में रहने वाले उक्त युवक के पास पहुंचे तभी बच्ची घर की तरफ आती हुई दिखाई दी।

नेशनल लोक अदालत में बकाया करों पर मिलेगी भारी छूट, 14 मार्च को होगा आयोजन

नवल किशोर

कटनी। नगर पालिक निगम कटनी द्वारा शहरवासियों को बकाया करों के भुगतान में बड़ी राहत देने के उद्देश्य से आगामी 14 मार्च 2026, शनिवार को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान करदाताओं को अधिभार (पेनाल्टी) में विशेष छूट का लाभ उठाने का सुनहरा अवसर मिलेगा।

अधिभार में 100% तक की छूट नगर निगम प्रशासन के अनुसार, लोक अदालत में संपत्ति कर और जल कर के पुराने बकाया का भुगतान करने पर अधिभार (पेनाल्टी) में 100 प्रतिशत तक की छूट प्रदान की जाएगी। यह कदम नागरिकों को वित्तीय बोझ से राहत देने और राजस्व वसूली को गति देने के लिए उठाया गया है।

नागरिकों की सुविधा के लिए

शहर के विभिन्न क्षेत्रों में कुल पांच केंद्र बनाए गए हैं, जहाँ जाकर लोक अदालत का लाभ लिया जा सकता है: नगर निगम कार्यालय बस स्टैंड पुलिस चौकी के पास दुर्गा चौक खिरहनी माधव नगर उपकार्यालय सुभाष चौक 31 मार्च के बाद देना होगा दोगुना कर निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि चालू वित्तीय वर्ष का संपत्ति कर जमा करने की अंतिम तिथि 31 मार्च है। यदि करदाता इस समय सीमा के भीतर भुगतान नहीं करते हैं, तो शासन द्वारा वर्ष 2021-22 में किए गए नियमों में संशोधन के अनुसार, 1 अप्रैल से दोगुना कर चुकाना पड़ सकता है। नगर पालिक निगम कटनी ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे इस अवसर का लाभ उठाएं और पेनाल्टी में भारी छूट प्राप्त कर अपने बकाया करों का समय पर भुगतान करें।

भगवान झूलेलाल जी के जन्मोत्सव एवं चेट्रीचंड कार्यक्रम के दौरान निगम प्रशासन की रहेगी विशेष व्यवस्थाएं

नवल किशोर

निगमायुक्त सुश्री परिहार ने विभागीय अधिकारियों को सौंपे दायित्व

कटनी । भगवान श्री झूलेलाल वरुण देवता के जन्मोत्सव पर 13 मार्च से 20 मार्च तक तथा चेट्रीचंड कार्यक्रम 20 मार्च के अवसर पर नगर में आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में निगम प्रशासन द्वारा की जाने वाली साफ-सफाई, पेयजल प्रकाश व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्था हेतु निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार ने विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दायित्व सौंपे है। निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार द्वारा इस संबंध में कार्यवाहक अध्यक्ष झूलेलाल सेवा मंडल कटनी तथा सचिव सिन्धू नौजवान मण्डल गुरूनानक वार्ड के पत्र अनुसार विभिन्न तिथियों में आयोजित होने वाली शोभायात्रा मार्ग, कार्यक्रम स्थल तथा विसर्जन घाट में विशेष साफ सफाई, चूने की लाइनिंग तथा कीटनाशक दवाओं का छिड़काव करानें हेतु स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया है। वहीं कार्यक्रम के दौरान आवश्यकतानुसार टैंकरों से शुद्ध पानी की व्यवस्था हेतु जल प्रदाय शाखा के साथ ही मुख्य मार्ग, कार्यक्रम स्थल, शोभायात्रा मार्ग एवं विसर्जन घाटों में समुचित प्रकाश व्यवस्था हेतु विद्युत शाखा को निर्देशित किया गया है।

जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का हुआ सफल आयोजन

प्रदीप सिंह बघेल

शहडोल 12 मार्च 2026- राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान योजनांतर्गत पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के निर्देशानुसार जिले में पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिला मुख्यालय शहडोल के महात्मा गांधी स्टेडियम में जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती प्रभा मिश्रा ने प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली टीमों के खिलाड़ियों को शील्ड, प्रतीक स्वरूप चेक एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में जिले के सभी जनपदों से बालक वर्ग की 8 टीम एवं बालिका वर्ग की 4 टीमों सहित कुल 12 टीमों ने भाग लेकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में बालक वर्ग में नगर पालिका शहडोल की टीम ने प्रथम स्थान, बुढ़ार ने द्वितीय स्थान तथा ब्यौहारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार बालिका वर्ग में जनपद पंचायत सोहागपुर की टीम ने प्रथम स्थान, जनपद पंचायत जयसिंहनगर ने द्वितीय स्थान तथा पंडित शंभूनाथ विश्वविद्यालय की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बालक एवं बालिका वर्ग में विजेता टीमों को प्रोत्साहन स्वरूप प्रथम पुरस्कार 21,000 रुपये, द्वितीय पुरस्कार 11,000 रुपये तथा तृतीय पुरस्कार 5,100 रुपये की राशि का प्रतीकात्मक चेक प्रदान किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती फूलवती सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री शिवम प्रजापति, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री मुद्रिका सिंह, जिला समन्वयक श्री अखिलेश कुमार मिश्रा सहित अन्य अधिकारी, खेल प्रशिक्षक, खिलाड़ी एवं खेलप्रेमी उपस्थित रहे।

वंशरूप वार्ड में विकास को मिली नई रफ्तार, खेरमाई मंदिर परिसर में बाउंड्रीवॉल व शेड निर्माण का भूमिपूजन संपन्न

विकास कार्य से क्षेत्र में खुशी की लहर, नागरिको व मातृशक्तियां ने जताया आभार

नवल किशोर

कटनी । नगर निगम द्वारा शहर के विभिन्न वार्डों में विकास कार्यों को गति देने के क्रम में बुधवार को वंशरूप वार्ड अंतर्गत खेरमाई मंदिर, चंदी की दफाई क्षेत्र में बाउंड्रीवॉल एवं शेड निर्माण कार्य का भूमिपूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी, नगर निगम अध्यक्ष मनीष पाठक एवं क्षेत्रीय पार्षद सुमित्रा रावत की उपस्थिति में वार्ड की महिला श्रीमती ममता द्विवेदी से विधिवत पूजा-अर्चना कराकर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया।

इस दौरान एमआईसी सदस्य डॉ. रमेश सोनी, सुभाष साहू, सुरेंद्र गुप्ता, उमेंद्र अहिरवार, पार्षद शशिकांत तिवारी, ओमप्रकाश बल्ली सोनी,विनोद लाला यादव भुट्टू, सरला संतोष मिश्रा, सुशीला मिश्रीलाल,समाजसेवी संजय तिवारी, राजू शर्मा सहित अन्य जनों की मौजूदगी रही। कार्यक्रम के दौरान महापौर श्रीमती सूरी ने कहा कि नगर निगम द्वारा शहर के प्रत्येक वार्ड में नागरिकों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए लगातार विकास कार्य कराए जा रहे हैं। मंदिर परिसर में बाउंड्रीवॉल और शेड निर्माण होने से क्षेत्र अधिक सुरक्षित और व्यवस्थित होगा, जिससे श्रद्धालुओं एवं स्थानीय नागरिकों को बेहतर सुविधा मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि नगर के धार्मिक स्थलों और सार्वजनिक स्थानों के विकास को प्राथमिकता देते हुए इस प्रकार के कार्य आगे भी निरंतर किए जाते रहेंगे।

उन्होंने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य केवल निर्माण कार्य कराना ही नहीं, बल्कि शहर के प्रत्येक क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करना भी है। इसी दिशा में सड़कों, नालियों, पेयजल व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता के साथ कराया जा रहा है, ताकि नागरिकों को बेहतर वातावरण और सुविधाएं मिल सकें। इस अवसर पर क्षेत्रीय पार्षद सुमित्रा रावत ने कहा कि वंशरूप वार्ड में लंबे समय से मंदिर परिसर की सुरक्षा और व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने की मांग की जा रही थी। बाउंड्री वॉल एवं शेड निर्माण कार्य प्रारंभ होने से श्रद्धालुओं को सुविधा मिलेगी और मंदिर परिसर अधिक सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनेगा। उन्होंने क्षेत्रवासियों को आश्वस्त किया कि वार्ड के

विकास के लिए आगे भी इसी प्रकार कार्य किए जाते रहेंगे। भूमिपूजन कार्यक्रम में उपस्थित नागरिकों ने इस विकास कार्य के लिए महापौर एवं क्षेत्रीय पार्षद का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में उर्मिला पटेल, सुधा द्विवेदी, सुशीला पटेल, कीर्ति केवट, संगीता पटेल, सुभद्रा पटेल, मनीषा पटेल, रानी पटेल सहित बड़ी संख्या में मातृशक्तियों की उपस्थिति रही।

रणजीत टाइम्स

सोयाबीन-गेहूँ फसल प्रणाली आधारित उत्पादन तकनीकी" प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

इंदौर। भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर द्वारा मध्य प्रदेश के मालवा एवं निमाड़ क्षेत्र के लिए सोयाबीन-गेहूँ फसल प्रणाली आधारित उत्पादन तकनीकी" विषय पर दिनांक 10–12 मार्च 2026 के दौरान आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मालवा एवं निमाड़ क्षेत्र के 14 जिलों से आए 27 अधिकारियों ने भाग लिया। इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम मे राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान तथा क्षेत्रीय गेहूँ अनुसन्धान केंद्र, इंदौर के वैज्ञानिकों ने सोयाबीन आधारित फसल प्रणाली के विभिन्न पहलुओं पर कृषि अधिकारीयों से चर्चा की तथा सोयाबीन एवं गेहूँ फसल की उन्नत किस्में, उत्पादन तकनीकी, कीट एवं रोग प्रबंधन के तरीकों सहित, विपणन तथा आर्थिक आय मे वृद्धि हेतु सोयाबीन-गेहूँ के मूल्य संवर्धन हेतु प्रसंस्करण एवं खाद्य पदार्थों मे उपयोग जैसे समानांतर विषयों पर व्याख्यान दिए।

साथ ही NSRI के एग्री बिजनेस केंद्र मे खाद्य प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ डॉ. नेहा पाण्डेय के मार्गदर्शन मे सोया आधारित सोया दुग्ध, टोफू, नमकीन, सोया छाछ, सेव, कुकीज सहित रेडी-टू-ईट उपमा, हलवा जैसे खाद्य पदार्थों का सजीव प्रदर्शन आयोजित किया गया। साथ ही संस्थान के डॉ. बी. यु. दुपारे द्वारा सोयाबीन फसल की उत्पादन एवं प्रसंस्करण तकनिकी के प्रचार-प्रसार मे संस्थान के सोशल मीडिया की उपयोगिता, डॉ विशाल थोरात द्वारा सोयाबीन खेती का आर्थिक विश्लेषण तथा रोग प्रबंधन हेतु उपयुक्त तकनीकी पर डॉ. संजीव गुप्ता ने अन्थ्राक्नोज, राय्जोक्तोनिया एरियल ब्लाइट, पीला मोजेक वायरस जैसे रोगों की पहचान एवं नियंत्रण के प्रभावी तरीकों पर चर्चा की।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतिम सत्र मे IARI क्षेत्रीय गेहूँ अनुसंधान केंद्र, के अध्यक्ष, डॉ. जे. बी. सिंह ने गेहूँ कि उन्नत किस्म Hi -1650 (पूसा ओजस्वी), Hi-8823(पूसा प्रभात),Hi -1665 (पूसा शरबती) आदि किस्मों पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने यह भी बताया की गेहूँ फसल में समय से सिचाई करे। इसी प्रकार डॉ. राहुल गजघाटे द्वारा गेहू मे मूल्य संवर्धन हेतु मालवी गेहूँ का उपयोग, डॉ. टी.एल. प्रकाश द्वारा गेहूँ फसल मे रोग नियंत्रण तथा डॉ. राज पाल मीणा द्वारा उर्वरक, पोषण एवं सिंचाई प्रबंधन जैसी उपयोगी जानकारी पर चर्चा की। कार्यक्रम के समापन सत्र में संस्थान के निदेशक डॉ. के.एच. सिंह ने मध्यप्रदेश शासन द्वारा प्रायोजित परियोजना के उद्देश्यों एवं कार्ययोजना की जानकारी दी। यह परियोजना प्रदेश के 18 जिलों—इंदौर, धार, खंडवा, खरगोन, बुरहानपुर, बड़वानी, झाबुआ, अलीराजपुर, रतलाम, मंदसौर, नीमच, उज्जैन, शाजापुर, आगर-मालवा, राजगढ़, देवास, सीहोर एवं भोपाल—में संचालित है। उन्होंने बताया कि इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य शीघ्र अवधि वाली सोयाबीन किस्म JS 95-60 के स्थान पर NRC 150 सोयाबीन किस्म को प्रोत्साहित किया, ताकि आगामी रबी फसल की उत्पादकता प्रभावित हुए बिना सोयाबीन की उपज में वृद्धि की जा सके। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले दो वर्षों में किए गए प्रदर्शनों के परिणामस्वरूप मध्यम अवधि वाली सोयाबीन किस्म NRC 142 को अपनाने से किसानों को 2 से 4 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक अतिरिक्त उत्पादन प्राप्त हुआ है। आगामी वर्ष में JS -2172, को भी इस परियोजना में शामिल किया जायेगा। ज्ञात हो की मध्य प्रदेश के कृषि विभाग द्वारा प्रायोजित इस परियोजना के अंतर्गत मध्य प्रदेश एवं मालवा के कुल 18 जिलों मे विगत दो वर्षों से सोयाबीन एवं गेहूँ फसलों फसल पर कुल 180 प्रदर्शन प्लाटों का आयोजन तथा कृषकों एव एवम अधिकारीयों के लिए प्रशिक्षण सत्रों के आयोजन से सोयाबीन की नवीनतम किस्म जैसे NRC-150, NRC-142, तथा गेहूँ की HI-1650, HI-1665, HI-8823, पूसा ओजस, पूसा अहिल्या जैसी किस्मों को कृषकों द्वारा पसंद किया जा रहा हैं। कृषि विभाग के अधिकारियों ने अपनी प्रतिक्रिया प्रकट करते हुए बताया कि इसी तरह के प्रशिक्षण सोयाबीन एवं गेहूँ बुबाई से पहले दिया जाये जिससे किसानो को समय से सूचना मिल सके और परियोजना किसानों के बीच कारगर सिद्द होगी I अंत में सभी प्रशिक्षणार्थियों कों प्रमाण पत्र वितरित किये गये. समापन कार्यक्रम का संचालन श्री श्याम किशोर वर्मा ने तथा डॉ. विशाल थोराट द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

लापता... लापता... लापता

लापता व्यक्ति की सूचना

मुरली फावड़े 7 मार्च से घर से लापता, परिजन कर रहे तलाश

मुरली फावड़े, जो कि राम नगर बड़ी भमोरी के निवासी हैं और विजय फावड़े के छोटे भाई हैं, दिनांक 07 मार्च 2026 को अपने घर से किसी काम के लिए निकले थे। लेकिन उसके बाद से अब तक वे घर वापस नहीं लौटे हैं। परिवार के लोगों ने आसपास के क्षेत्रों में उनकी काफी तलाश की, रिश्तेदारों और परिचितों से भी संपर्क किया, लेकिन अब तक उनके बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। इस कारण परिवार के लोग बेहद चिंतित और परेशान हैं तथा उन्हें सुरक्षित घर लौटने की उम्मीद में लगातार प्रयास कर रहे हैं। परिजनों ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी भी व्यक्ति को मुरली फावड़े कहीं भी दिखाई दें या उनके संबंध में कोई भी जानकारी प्राप्त हो, तो कृपया तुरंत नीचे दिए गए नंबर पर संपर्क करें, ताकि उन्हें सुरक्षित घर वापस लाने में मदद मिल सके। परिवार का कहना है कि आपकी छोटी-सी सूचना भी उनके लिए बहुत महत्वपूर्ण हो सकती है। इसलिए सभी से अनुरोध है कि इस सूचना को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाएं, ताकि मुरली फावड़े के बारे में जल्द से जल्द कोई जानकारी मिल सके और वे सुरक्षित अपने घर लौट सकें।

संपर्कः विजय फावड़े +91 81097 93271

जो भी सज्जन व्यक्ति जानकारी देंगे, परिवार उनकी सहायता और सहयोग के लिए सदैव आभारी रहेगा। कृपया इस सूचना को अधिक से अधिक साझा करें।

गोपालपुरा हेलीपेड से राज्यपाल को दी गई गरिमामय एवं भावभीनी विदाई

सलीम हुसैन

झाबुआ मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल के झाबुआ प्रवास के उपरांत गोपालपुरा हेलीपेड से उन्हें जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग की कैबिनेट मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया, सांसद श्रीमती अनीता नागर सिंह चौहान, कलेक्टर नेहा मीना, पुलिस अधीक्षक डॉ. शिवदयाल सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने राज्यपाल को ससम्मान विदाई दी। इस दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने राज्यपाल के प्रति सम्मान एवं आभार व्यक्त करते हुए उन्हें भावभीनी विदाई दी।

स्वयं की आलोचना व आत्मनिरीक्षण द्वारा उन्नति का मार्ग है सहजयोग

यदि हम सदैव दूसरों की आलोचना करते हैं उनकी बुराई देखते हैं तो निसंदेह हम अच्छे की श्रेणी में नहीं आयेंगे। परंतु यदि हम स्वयं की आलोचना करते हैं स्वयं की बुराई और गलतियां देख पाते हैं तो हम अच्छे हैं क्योंकि हमें अपनी बुराईयों का आभास हो रहा है। यदि कोई और हमारी आलोचना कर रहा है, हममें बुराई देख रहा है तो यह भी हमारे लिए हितकर है क्योंकि यह हमें सुधरने के लिए प्रेरित करता है, कबीरदास जी ने कहा है :-

'निंदक नियरे राखिये, आंगन कुटी छवाय,
बिन पानी साबुन बिना, निर्मल करे सुभाय'

आलोचना शब्द 'लुच' धातु से बना है, जिसका अर्थ होता है देखना। यह देखना सामान्य भाव से देखना नहीं है ब्लकि विशेष दृष्टिकोण से देखना है अतः यह सकारात्मक है। । स्वयं की आलोचना यदि हम अंतर्अवलोकन विधि से करें तो हमें अपने अंदर की बुराईयां दिखाई देगी और हम यह देखकर आश्चर्यचकित रह जायेंगे कि हमने अपने अंदर कितने शत्रु पाल रखे हैं जो हमारे आत्मिक उत्थान में अवरोध पैदा कर हमारा सर्वनाश कर रहे हैं क्योंकि आत्मिक उत्थान के बगैर प्रगति नहीं हो सकती ह सहज योग ध्यान पद्धति से हम यह अनुभव पाते हैं कि जब हमारा

चित्त दूसरों पर जाता है तब हम अपने से दूर हो जाते हैं। दूसरों के गुणों की अवहेलना कर सिर्फ उनमें बुराई तलाशते है तब हम अपने साथ अन्यों के रिश्ते समाप्त करने का प्रयास करते हैं। हमने देखा है कि हमारी स्वयं की आलोचना हमें कुंठित व शक्तिहीन कर देती है, हम अपनी ही नजरों में गिरने लगते हैं और आत्मविश्वास खोने लगते हैं।

अतः आत्मशक्ति को बढ़ाना आवश्यक है। हमारे भीतर का आलोचक हमारी आत्मशक्ति से मिलकर ही हमारा मार्ग प्रशस्त कर सकता है। सहज योग माध्यम से ध्यान धारणा हमारी आत्मशक्ति को विकसित करती है जिससे साक्षी भाव प्राप्त कर हम अपने प्रति आ रही आलोचना को सहजता से देख पाते हैं और स्वयं के दोषों का अवलोकन करना सीख लेते हैं।

सहज योग के नियमित ध्यान से हमें स्वच्छ मानसिकता प्राप्त होती है और नकारात्मक विचार सकारात्मकता में परिवर्तित हो जाते हैं। हम सहज ध्यान के द्वारा अपनी बुराईयों, बाधाओं, दुष्प्रभावों व दुषित विचारों को अपने अंदर से निकाल पाते है। आलोचना का सकारात्मक चैतन्य सहज योग के माध्यम से आसानी से ग्राह्य होता है। हम अपनी गलतियों को छुपाते नहीं, उसे स्वीकार कर अपने उत्थान क्षेत्र को प्रशस्त करते हैं। ऐसा करने से हमारी काबिलियत बढ़ती है और परिवार और समाज के प्रति अपने दायित्व निभा पाते हैं। आलोचना का उद्देश्य स्वयं का या दूसरों का अपमान नहीं है बल्कि एक श्रेष्ठ गुण है अपनी कमियों और त्रुटियों को दूर करने का। चलिए सहज योग ध्यान को अपनाते हैं। सहज योग निशुल्क भी है और आसान भी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी हेतु टोल फ्री नंबर है 1800 2700 800

कलेक्टर ने गैस एजेंसी संचालकों की बैठक लेकर दिए आवश्यक निर्देश

सलीम हुसैन

झाबुआ शासन से प्राप्त निर्देशों के पालन में कलेक्टर नेहा मीना ने जिले के गैस एजेंसी संचालकों की बैठक आयोजित कर जिले में एलपीजी गैस की उपलब्धता एवं वितरण व्यवस्था की समीक्षा की। बैठक में गैस एजेंसी संचालकों को उपभोक्ताओं को सुचारू रूप से गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने तथा किसी भी प्रकार की अव्यवस्था नहीं होने देने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने बैठक में स्पष्ट किया कि जिले में एलपीजी गैस का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और किसी भी प्रकार की कमी की स्थिति नहीं है। उन्होंने गैस एजेंसी संचालकों को निर्देशित किया कि गैस वितरण की व्यवस्था को व्यवस्थित रखें तथा उपभोक्ताओं को समय पर सिलेंडर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। साथ ही किसी भी प्रकार की अफवाह या पैनिक की स्थिति निर्मित न होने दें।

बैठक में यह भी बताया गया कि पिछले कुछ समय से ऑनलाइन बुकिंग सिस्टम पर अधिक लोड होने के कारण बुकिंग में तकनीकी समस्या आ रही थी। अब इस समस्या का निराकरण कर लिया गया है और उपभोक्ता पुनः ऑनलाइन माध्यम से गैस सिलेंडर की बुकिंग कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त उपभोक्ताओं के लिए मिस्ड कॉल के माध्यम से भी गैस बुकिंग की सुविधा उपलब्ध है। कलेक्टर ने गैस एजेंसी संचालकों को निर्देश दिए कि उपभोक्ताओं को उपलब्ध सभी बुकिंग माध्यमों की जानकारी दें, ताकि लोगों को अनावश्यक रूप से एजेंसी कार्यालयों पर जाकर भीड़ लगाने की आवश्यकता न पड़े। उन्होंने कहा कि गैस वितरण की पूरी व्यवस्था पारदर्शी और सुचारू रूप से संचालित की जाए तथा किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल प्रशासन को अवगत कराया जाए। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री सी एस सोलंकी एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत झाबुआ में सामूहिक विवाह सम्मेलन, 107 जोड़े वैवाहिक बंधन में बंधे

सलीम हुसैन

झाबुआ कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशानुसार जिले के विभिन्न निकायों में 11 मार्च से 16 मार्च 2026 के मध्य मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना के अंतर्गत सामूहिक विवाह कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में जनपद पंचायत झाबुआ में 12 मार्च 2026 को मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें कुल 107 जोड़े वैवाहिक बंधन में बंधे। कार्यक्रम के दौरान सभी नवविवाहित जोड़ों को अतिथियों द्वारा नए दांपत्य जीवन के लिए शुभकामनाएँ दी गईं। इस अवसर पर सभी जोड़ों ने नशा न करने की शपथ भी ली।

जिलाध्यक्ष श्री भानु भूरिया ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश सरकार महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। लाड़ली लक्ष्मी योजना, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना सहित विभिन्न योजनाओं के माध्यम से प्रदेश की बेटियों को आर्थिक सहयोग एवं सामाजिक सुरक्षा प्रदान की जा रही है। उन्होंने सभी नवविवाहित जोड़ों को शुभकामनाएँ दीं। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती कविता सिंगार ने सभी जोड़ों को वैवाहिक जीवन में प्रवेश के लिए शुभकामनाएँ देते हुए उनके सुखद एवं समृद्ध भविष्य की कामना की। जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कमोदी हरु भूरिया ने भी सभी नवविवाहित जोड़ों को शुभकामनाएँ देते हुए उनके सुखी एवं समृद्ध दांपत्य जीवन की कामना की। उपसंचालक सामाजिक न्याय विभाग श्री पंकज सांवले ने बताया कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना विभाग की महत्वपूर्ण योजना है, जिसके अंतर्गत प्रत्येक पात्र जोड़े के बैंक खाते में 49,000 रुपये की राशि अंतरित की जाएगी।

प्रकाश झा की सीरीज संकल्प से डेब्यू करेंगी रूप दुर्गापाल

'स्वरागिनी,' 'कुछ रंग प्यार के ऐसे भी,' और 'बालवीर' जैसे कई धारावाहिकों में काम कर घर-घर में अपनी पहचान बना चुकी अभिनेत्री रूप दुर्गापाल अब ओटीटी डेब्यू करने जा रही हैं। दरअसल, अभिनेत्री जल्द ही आगामी वेब सीरीज 'संकल्प' में नजर आएंगी। इस सीरीज में वे अभिनेता मोहम्मद जीशान अय्यूब की पत्नी माधुरी के किरदार में हैं। रूप ने अपने को-स्टार जीशान के अभिनय की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, 'जीशान बहुत ही शानदार अभिनेता है। एनएसडी से पढ़ाई करने और फिल्मों-वेब सीरीज में इतना अनुभव होने के कारण उनसे बहुत कुछ सीखने को मिला। उनके सीन्स को देखने का नजरिया, भाषा पर अच्छी पकड़ और एनर्जी ने मेरे साथ के सीन को बेहतर बनाया। मैं हर दिन सेट पर उनके आने का इंतजार करती थी।'
अभिनेत्री ने आगे सीरीज की पूरी टीम की सराहना की। उन्होंने बताया कि शानदार कलाकारों के साथ काम करना ही उन्हें इस प्रोजेक्ट में शामिल होने के लिए उत्साहित कर रहा था। अभिनेत्री ने कहा, 'जब सबके पास अच्छा काम होता है, तो सेट पर और बाहर भी बहुत कुछ सीखने को मिलता है। नाना पाटेकर सर और प्रकाश सर के साथ काम करना एक्टिंग, फिल्म बनाने और जिंदगी के कई पहलुओं को समझने जैसा था। मेघना मलिक से भी बहुत कुछ सीखा। हम लंच और डिनर के दौरान भी खूब बातें करते थे। वे न सिर्फ बेहतरीन एक्टर हैं, बल्कि बहुत अच्छे इंसान भी हैं।' उन्होंने आगे बताया कि सीरीज के लिए उन्हें ऑफर कैसे मिला था। उन्होंने बताया, 'साल 2019 तक मैंने टेलीविजन से आगे जाने के बारे में ज्यादा नहीं सोचा था, लेकिन कोविड के दौरान सब कुछ बदल गया। लोगों को जाते देखकर मुझे एहसास हुआ कि जिंदगी बहुत छोटी है। कुछ भी कहा नहीं जा सकता। तब मैंने फैसला लिया कि अब उन चीजों को आजमाना है जिनसे पहले डर लगता था।'
सीरीज का निर्देशन प्रकाश झा ने किया है। रूप ने निर्देशक की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, 'प्रकाश सर के साथ काम करना किसी बड़े संस्थान में पढ़ाई करने जैसा था। साथ ही काम में मजा भी आता था और यादगार पल भी बनते थे।'

मधुबाला की बायोपिक में अनीत पड्डा नहीं निभाएंगी प्रमुख भूमिका

लेजेंडरी एक्ट्रेस मधुबाला की बायोपिक को लेकर इन दिनों लगातार चर्चाएं चल रही हैं। पहले ऐसी खबरें आईं कि कियारा आडवाणी इस फिल्म में प्रमुख भूमिका निभाएंगी। लेकिन उनके फिल्म से बाहर होने के बाद अब अनीत पड्डा के मधुबाला के किरदार को पर्दे पर उतारने की चर्चाएं जोरों पर हैं। हालांकि, अब अनीत पड्डा के फिल्म में होने की खबरों पर इंडस्ट्री से बड़ी जानकारी सामने आ रही है।

अनीत पड्डा के मधुबाला का किरदार निभाने की खबरें गलत

कुछ दिन पहले कियारा आडवाणी के मधुबाला के किरदार में होने की इस अफवाह का खंडन किया था। अब एक नई रिपोर्ट के अनुसार, 'सैयारा' स्टार अनीत पड्डा को मधुबाला की बायोपिक के लिए साइन कर लिया गया है और जल्द ही शूटिंग शुरू होगी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि मेकर्स जल्द ही कास्टिंग की घोषणा कर सकते हैं। लेकिन अब इंडस्ट्री सूत्रों ने इन खबरों को पूरी तरह गलत बताया है। एक सोर्स ने साफ किया कि अनीत पड्डा का नाम मधुबाला की बायोपिक से जोड़ना एकदम गलत है। सोर्स ने कहा, 'अनीत पड्डा को लेकर जो भी खबरें उड़ रही हैं, उनमें रत्ती भर भी सच्चाई नहीं है। ये दावे पूरी तरह से बेबुनियाद हैं।'

भारतीय सिनेमा का नाम हैं मधुबाला

मधुबाला इंडियन सिनेमा का एक बहुत बड़ा नाम हैं, इसलिए इन अफवाहों ने फिल्म प्रेमियों के बीच काफी हलचल मचा दी थी। पर सोर्स ने फिर से जोर देकर कहा कि अनीत पड्डा के प्रोजेक्ट से जुड़ने की बात सिर्फ एक अफवाह है और फिलहाल ऐसा कुछ भी नहीं हो रहा है। इस फिल्म का निर्देशन 'डार्लिंग्स' फेम जसमीत के. रीन कर रहे हैं। यह भी कहा जा रहा था कि फिल्म निर्माता संजय लीला भंसाली इस प्रोजेक्ट को सपोर्ट कर रहे हैं।

'फोर्स 3' में नजर आएंगे हर्षवर्धन राणे

2011 और 2016 में रिलीज हुई फिल्म 'फोर्स' और 'फोर्स 2' के बाद अब इसका तीसरी सीक्वल आने वाला है। इस फिल्म में इस बार हर्षवर्धन राणे भी अहम रोल निभाएंगे। हर्षवर्धन ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर 'फोर्स 3' के मुहूर्त पूजा का एक खास वीडियो शेयर कर फिल्म की जानकारी दी है। हर्षवर्धन राणे ने मुहूर्त पूजा का एक वीडियो शेयर किया है। यह वीडियो 'फोर्स 3' के सेट का है, जिसमें हर्षवर्धन राणे पूजा करते नजर आ रहे हैं।

'फोर्स 3' के बारे में

'फोर्स 3' के निर्माता जॉन अब्राहम हैं। इस फिल्म के निर्देशक भाव धूलिया हैं, जिन्होंने 'द फ्रीलांसर' का निर्देशन किया है। इस फिल्म के लेखक सीमाब हाशमी हैं। फिल्म के सेट पर पूजा के बाद इसकी शूटिंग शुरू हो जाएगी।

रीवा में सिलेंडर 2000 का, कालाबाजारी के लगे आरोप

भोपाल-इंदौर समेत कई शहरों में लंबी कतारें, छिंदवाड़ा में शादियों में डीजल भट्टियों पर बनेगा खाना

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में 3 दिन से कमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई ठप है। घरेलू सिलेंडर की वेटिंग भी 5 से 7 दिन की हो गई है। ऑयल कंपनियों ने 15 प्रतिशत गैस ही उपलब्ध होने की बात कही है, जो इमरजेंसी सेवा और घरों के लिए ही उपयोग हो सकेगी। कुछ शहरों के उपभोक्ता सिलेंडर की कालाबाजारी के आरोप लगा रहे हैं।

रीवा में गैस एजेंसी के बाद सुबह से कतार में लगे उमेश शुक्ला ने बताया कि दोपहर बाद तक सिलेंडर नहीं मिल पाया। दलाल 900 का सिलेंडर 1700 से लेकर

2000 रुपए तक में सिलेंडर बेच रहे हैं। उपभोक्ता मजबूरी में महंगे दामों पर सिलेंडर खरीदने को मजबूर हैं। इधर, ऑयल कंपनियों की सप्लाई के बाद कमर्शियल सिलेंडर सिर्फ अस्पताल, सेना-पुलिस की कैंटीन, रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट स्थित कैंटीन, बस स्टैंड स्थित भोजनालय को ही मिलेंगे। हालांकि, खाद्य विभाग को जरूरत के हिसाब से ऑयल कंपनियों को लिस्ट देना होगी। दूसरी ओर होटल, मैरिज गार्डन, सराफा कारीगरों के साथ भोपाल और इंदौर मेट्रो को कमर्शियल सिलेंडर नहीं मिल सकेंगे।

दावा- घरेलू सिलेंडर की सप्लाई में कोई दिक्कत नहीं, हकीकत-लंबी वेटिंग

जिम्मेदार दावा कर रहे हैं कि घरेलू गैस सिलेंडर की सप्लाई में कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन हकीकत में लंबी वेटिंग है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर समेत पूरे प्रदेश में लंबी वेटिंग है। भोपाल के 5 नंबर इलाके में इसके लिए भीड़ देखी गई। टीटी नगर इलाके में तो सिलेंडर के लिए भाग-दौड़ भी हो चुकी है। इंदौर में कमर्शियल सिलेंडर के संकट के बीच खाद्य विभाग के अधिकारी ने लकड़ी, कंडा, कोयला जैसे पारंपरिक ईंधन जलाने पर जोर दिया है। वहीं भोपाल में भी डीजल भट्ठी का उपयोग करने की बात कही जा रही है। भोपाल के फूड कंट्रोलर चंद्रभान सिंह जादौन का कहना है कि सरकार के नए निर्देश आए हैं। इसी हिसाब से सप्लाई व्यवस्था है। अब 25 दिन में ही सिलेंडर के लिए बुकिंग कराई जा सकेगी। सर्वर की दिक्कत आने और लोगों के द्वारा 1-2 सिलेंडर स्टॉक जमा करने की वजह से एजेंसियों के बाहर भीड़ लग रही है।

गैस की कालाबाजारी रोकने कलेक्टर की डिस्ट्रीब्यूटरों के साथ बैठक

इंदौर। अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच चल रहे संघर्ष के बीच इन दिनों घरेलू गैस सिलेंडर की बुकिंग को लेकर लोगों के बीच भ्रम और चिंता की स्थिति देखी जा रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए इंदौर प्रशासन और गैस एजेंसियों की ओर से एक महत्वपूर्ण संदेश जारी किया गया है। गैस एजेंसी संचालकों और डिस्ट्रीब्यूटरों का कहना है कि फिलहाल घरेलू गैस सिलेंडरों की कोई कमी नहीं है और सभी उपभोक्ताओं को समय पर गैस की आपूर्ति की जा रही है। उन्होंने बताया कि देखने में आ रहा है कि कई उपभोक्ता घबराहट में बार-बार गैस सिलेंडर बुक कर रहे हैं, जिससे सिस्टम पर अत्यधिक दबाव पड़ रहा है।

आम तौर पर देखा जाये तो नवजात शिशु किसी वजह से डर जाते हैं या घबरा कर उठ जाते हैं। हालाँकि, यह समस्या न केवल नवजात में बल्कि एक साल या उससे अधिक उम्र के बच्चों में भी देखने को मिलती है। क्योंकि, कुछ चीज़ें ऐसी हैं जिससे कि उन्हें डर लगता है। ऐसे में अभिभावकों को उन्हें डर से बचाने यह करना होगा।

नवजात शिशु कई बार अचानक से उठ जाते हैं। इतना ही नहीं वह रोना भी शुरू कर देते हैं। वहीं जो बच्चे थोड़े बड़े होते हैं उनमें भी यह समस्या देखने को मिलती है, क्योंकि वह अपनी कल्पना को नींद के जरिए ही देखते हैं, जिसमें कुछ अच्छे सपने भी होते हैं और कुछ बुरे सपने भी होते हैं।

बच्चे को सबसे ज्यादा डर अंधेरे से लगता है। कुछ अभिभावक ऐसे भी होते हैं जो अपने बच्चे को शांत करवाने के लिए या अपनी बातों को मनवाने के लिए अँधेरे का सहारा लेते हैं, जो कि बहुत गलत है। क्योंकि, इससे बच्चे काफी डर जाते हैं, जिसका असर बच्चे पर बहुत बुरा होता है। ऐसे में, अपने बच्चे में इस डर को दूर करने की कोशिश करें।

जब बारिस का मौसम होता है, और खासकर जब बिजली कड़कने की आवाज आती है तो बच्चे डर कर उठ जाते हैं। कुछ बच्चे तो ऐसे होते हैं कि इसके आवाज को सुनकर रोने लगते हैं। ऐसे में, आप अपने बच्चे को इसके बारे में बताएं कि इसमें घबराने की कोई बात नहीं है, और उन्हें शांत रखने की कोशिश करें।

हालाँकि, यह सच है कि बच्चे उन लोगों के पास ज्यादा खुशी से रहते हैं, जिन्हें वह जानते हैं पर जैसे ही आप उन्हें अपने किसी दोस्त या रिश्तेदार से मिलाते हैं तो वह बहुत असहज महसूस करते हैं, और कभी-कभी उन्हें देख कर रोने लगते हैं। ऐसे में, आप अपने बच्चे को थोड़ा जानने का समय दें ताकि वह उनके साथ घुल-मिल सके।

बच्चे सबसे ज्यादा सुरक्षित अपने अभिभावकों के साथ महसूस करते हैं क्योंकि, वह बचपन से ही उनके साथ रहते हैं, इसलिए जब भी आप अपने बच्चे से थोड़ी देर के लिए दूर होते हैं तो वह रोने लगते हैं। हालाँकि, यह गलत बात है, क्योंकि बच्चे को सिर्फ अपनी आदत न लगने दें, इसके लिए आप उन्हें अपने दादा-दादी या फिर घर के अन्य लोगों के साथ छोड़ें। ताकि वह आपके अलावा, घर के अन्य लोगों के साथ घुल-मिल सकें।

खाना खाते समय मोबाइल - टीवी देखने के नुकसान

आजकल माता-पिता के पास इतना समय नहीं है कि वो बच्चों को मनाकर खाना खिलाने में समय दे पाएं। ऐसे में अधिकतर अभिभावक समय बचाने के लिए इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स की मदद लेते हैं क्योंकि बच्चे मोबाइल या फोन देखते हुए फटाफट खाना खा लेते हैं. यह उनके मन बहलाने की जरूरत बन जाता है। माता-पिता भी इस बात से खुश हो जाते हैं कि चलो फोन या टीवी देखते ही सही, बच्चा खाना तो खा ले रहा है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपका यह शॉर्टकट बच्चे की सेहत के लिए कितना खतरनाक हो सकता है।

एक रिपोर्ट के अनुसार टीवी या मोबाइल देखते हुए जो बच्चे खाना खाते हैं, वो आगे चलकर भी खाने को लेकर नखरे करते रहते हैं। इन बच्चों में छोटी-छोटी बात पर गुस्सा करते भी देखा गया है। टीवी-मोबाइल देखते हुए खाने वाले 10 साल तक के बच्चों में मोटापे का खतरा भी कई गुना तक बढ़ जाता है और वे ओबेसिटी का शिकार हो जाते हैं, जो कई बीमारियों को जन्म दे सकता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने हाल ही में एक रिपोर्ट जारी कर बच्चों को स्क्रीन से दूर रखने की चेतावनी दी थी। इस रिपोर्ट में 5 साल से कम उम्र के बच्चों का स्क्रीन टाइम निर्धारित किया गया है. इन बच्चों का ज्यादा स्क्रीन टाइम शारीरिक और मानसिक सेहत को सीधे तौर पर प्रभावित करता है। इस रिपोर्ट मेंबच्चों को मोबाइल, टीवी या अन्य इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स से दूर रहने की हिदायत दी गयी है।

खाना खाते समय टीवी देखने के नुकसान

1 खाते समय टीवी देखने से मेटाबॉलिज्म स्लो हो जाता है, जिससे शरीर में फैट जमा होने लगता है।

2 टीवी देखते हुए खाना खाने से सारा ध्यान टीवी या फोन पर होता है, इस वजह से बच्चे ओवरईटिंग करते हैं।

3 ज्यादातर बच्चे जब टीवी-फोन देखते हैं तो उस समय जंक फ़ूड ही खाना पसंद करते है।

4 टीवी-मोबाइल देखते समय डिनर या लंच करने से बच्चे काफी जल्दी से मोटापे के शिकार हो जाते हैं।

5 टीवी या फोन दिखाकर बच्चे को खाना खिलाने से उनके पोषण की कमी हो सकती है। वे जरूरी पोषक तत्व पा नहीं सकते हैं।

6 टीवी या फोन देखकर खाना खाने वाले बच्चे समाजिक तौर पर कमजोर हो सकते हैं. उनमें स्किल्स में कमी आ सकती है।

7 टीवी-मोबाइल देखते हुए बच्चे बिना बोले खाना खाते हैं, जो उनके बोलने की क्षमता यानी कम्युनिकेशन प्रभावित करता है.

8 आंखों से पानी आने, रोशनी कम होने या ड्राईनेस की समस्या

9 मोबाइल देखने के चक्कर में बच्चों को खाने की पहचान नहीं हो पाती, जो भी सामने आया उसके बारे में बिना जाने ही खा लेते हैं!

10. मोबाइल-टीवी में खोने की वजह से चीजों को याद नहीं रख पाते हैं।

गिल को क्रिकेटर ऑफ द ईयर अवॉर्ड देगा बीसीसीआई

● द्रविड़ को लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार मिलेगा ● 19 वर्ल्डकप जिताने वाले म्हात्रे भी सम्मानित होंगे

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल को क्रिकेटर ऑफ द ईयर अवॉर्ड से नवाजा जाएगा। वहीं, टीम इंडिया के पूर्व खिलाड़ी और हेड कोच राहुल द्रविड़ को कर्नल सीके नायडू लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। मीडिया के मुताबिक, 15 मार्च को दिल्ली में बीसीसीआई एनुअल अवॉर्ड प्रोग्राम होगा।

इसके अलावा, आयुष म्हात्रे को लाला अमरनाथ अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। म्हात्रे की कप्तानी में भारत इसी साल की शुरुआत में अंडर-19 वनडे वर्ल्ड कप अपने नाम किया था। राहुल द्रविड़ के अलावा मिताली राज को भी लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से नवाजा जाएगा।

इसके अलावा घरेलू क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए मुंबई एसोसिएशन को बेस्ट क्रिकेट एसोसिएशन का पुरस्कार दिया जाएगा। हालांकि अब तक इसे लेकर बीसीसीआई के तरफ से कोई ऑफिशियन बयान नहीं आया है।

● **गिल पिछले साल तीनों फॉर्मेट के टॉप स्कोरर-** साल 2025 में भारतीय कप्तान गिल का प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 983 रन बनाए, जिसमें इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई सीरीज में 70 से ज्यादा की औसत से बनाए गए 754 रन शामिल थे। वनडे में भी गिल ने 490 रन बनाए और भारत के आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीतने में अहम भूमिका निभाई। कुल मिलाकर उन्होंने सभी फॉर्मेट में 49 की औसत से 1764 रन बनाए, जिसमें सात शतक और तीन अर्धशतक शामिल रहे।

● **द्रविड़ ने भारत को 2024 में टी-20 वर्ल्ड चैंपियन बनाया-** द्रविड़ को टेस्ट क्रिकेट के महान बल्लेबाजों में गिना जाता है, उन्होंने टेस्ट में 13,288 और वनडे में 10,889 रन बनाए। कोच के रूप में उनके कार्यकाल में भारत ने आईसीसी टूर्नामेंटों में अच्छा प्रदर्शन किया, जिसमें टीम वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल तक पहुंची और 2024 का टी-20 वर्ल्ड कप 2024 भी जीता।

पिता के निधन के बाद जितेश की बदली सोच

● **बोले-** वर्ल्डकप टीम से बाहर होने का दुख छोटा लगा, मैं फिनिशर बनने को तैयार

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा ने कहा कि टी-20 वर्ल्ड कप की भारतीय टीम में जगह नहीं मिलने से उन्हें निराशा जरूर हुई थी, लेकिन कुछ ही समय बाद उनके जीवन में ऐसा व्यक्तिगत दुख आया जिसने उनकी सोच पूरी तरह बदल दी।

जितेश के पिता मोहन शर्मा का 1 फरवरी को छोटी बीमारी के बाद निधन हो गया। उन्होंने बताया कि उस समय वह सात दिन तक अपने पिता के साथ रहे और उसी दौरान उन्हें एहसास हुआ कि परिवार उनके लिए वर्ल्ड से भी ज्यादा महत्वपूर्ण था।

मीडिया को दिए एक इंटरव्यू में जितेश ने अपने करियर के उतार-चढ़ाव और निजी जिंदगी पर खुलकर बात की।

जितेश बोले-

● **वर्ल्ड कप से ज्यादा मेरे पिता को मेरी जरूरत थी-** वर्ल्ड कप टीम से बाहर होने के अनुभव पर जितेश ने कहा,जब मुझे पता चला कि मेरा सिलेक्शन नहीं हुआ है, तो मैं थोड़ा निराश था। आखिर मैं भी एक इंसान हूं और बुरा महसूस करना स्वाभाविक है। लेकिन कुछ ही समय बाद मेरे पिता बीमार हो गए और 1 फरवरी को उनका निधन हो गया। मैं उनके आखिरी सात दिनों में उनके साथ था। तब मुझे अहसास हुआ कि मेरे पिता को वर्ल्ड कप से ज्यादा मेरी जरूरत थी। उसके बाद मेरे मन में टीम से बाहर होने का कोई दुख नहीं रहा।

क्रिकेट सीखी मजबूती

जितेश का कहना है कि क्रिकेट ने उन्हें इस दुख के साथ आगे बढ़ना सिखाया है। उन्होंने कहा,अगर मेरे पिता आज जिंदा होते तो वह मुझे यही कहते कि जाओ और अभ्यास करो, मेरे बारे में चिंता मत करो। इसलिए जब भी मैं दुखी होता हूं, यही सोचता हूं कि वह मुझे खेलने और आगे बढ़ने की सलाह देते।

रिंकू सिंह से ली प्रेरणा

जितेश ने अपने साथी खिलाड़ी रिंकू सिंह का जिक्र करते हुए कहा कि निजी मुश्किलों के बाद मैदान पर लौटना बहुत बड़ी बात होती है।

विराट कोहली से मिलती है प्रेरणा

जितेश ने बताया कि आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के साथ रहते हुए उन्हें विराट कोहली को करीब से देखने का मौका मिलता है, जिससे उन्हें काफी प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि कोहली की तैयारी,अनुशासन और ऊर्जा से बहुत कुछ सीखने को मिलता है। सिर्फ छोटी-छोटी चीजें देखकर भी बहुत कुछ सीखा जा सकता है। जिस तरह विराट अपना दिन शुरू करते हैं और तैयारी करते हैं, वह बहुत प्रेरणादायक है। हालांकि 32 साल की उम्र में भी मैं उनकी ऊर्जा की बराबरी नहीं कर सकता।

घर के बड़े बेटे की जिम्मेदारी

● **परिवार के सामने कमजोर नहीं हो सकता-** पिता के जाने के बाद जितेश अब अपने परिवार में सबसे बड़े बेटे की भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा,जब आप अपने पिता को खो देते हैं, तब आपको समझ आता है कि अब परिवार के फैसले लेने की जिम्मेदारी आपकी है। मुझे अपनी मां और भाई का ख्याल रखना है। मैं उनके सामने अपनी भावनाओं को जाहिर नहीं कर सकता और न ही कमजोर दिख सकता हूं, क्योंकि जब मैं क्रिकेट खेलता हूं तो वे मुझे ही देख रहे होते हैं।

शतरंज का नन्हा जादूगर

दुनिया का नंबर-1 खिलाड़ी

● तमिज अमुधन 2000 ईलो रेटिंग पार करने वाले दुनिया के सबसे युवा खिलाड़ी, आठ साल की उम्र में जीती कार

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के तमिज अमुधन इस समय विश्व शतरंज जगत में चर्चा का केंद्र है। मात्र 9 साल की उम्र में तमिज न केवल अंडर-9 कैटेगरी में दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी बन गए हैं, बल्कि वे इस उम्र में 2000 ईलो रेटिंग पार करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी भी हैं। तमिज ने महज चार साल की उम्र में चचेरे भाइयों को देखकर शतरंज सीखना शुरू किया था। उनके भीतर खेल की सहज समझ इतनी गहरी थी कि एक जिला स्तरीय टूर्नामेंट के दौरान कल्लाकुरिची के एक बस ड्राइवर रविचंद्रन की नजर उन पर पड़ी। रविचंद्रन पार्ट-टाइम शतरंज कोचिंग भी देते थे। उन्होंने देखा कि बिना किसी औपचारिक ट्रेनिंग के भी इस छोटे से बच्चे ने अनुभवी खिलाड़ियों के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया।

एथेंस ऑफ द ईस्ट शतरंज टूर्नामेंट में रविचंद्रन ने सिल्वर मेडल जीता

रविचंद्रन ने तमिज की प्रतिभा को पहचान लिया और उन्हें मुफ्त में कोचिंग देने का फैसला किया। इसके बाद तमिज ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। 6 साल की उम्र में उन्होंने स्टेट अंडर-9 टूर्नामेंट में 9 में से 9 अंक हासिल कर सबको

हैरान कर दिया। यह उनके करियर का पहला बड़ा 'ब्रेक' था। तमिज के करियर का सबसे यादगार पल पिछले साल आया। 'एथेंस ऑफ द ईस्ट' शतरंज टूर्नामेंट में उन्होंने ?सिल्वर मेडल जीता। पुरस्कार के रूप में इस 8 साल के बच्चे को कार दी गई। किसी भी एथलीट के लिए इतनी कम उम्र में ऐसा पुरस्कार जीतना एक दुर्लभ उपलब्धि है।

तमिज की इस सफलता के पीछे उनके माता-पिता का असाधारण बलिदान है। पिता सरकारी नौकरी में हैं और साधारण कृषि पृष्ठभूमि से आते हैं। तमिज की बेहतर ट्रेनिंग के लिए परिवार ने एक कठिन फैसला लिया। तमिज की मां उनके साथ 350 किलोमीटर दूर दूसरे शहर में रहती हैं ताकि ट्रेनिंग बाधित न हो। वहीं, पिता घर पर 10 साल की बेटी उथिशा के साथ रहते हैं। तमिज के पिता स्वीकार करते हैं कि शतरंज महंगा खेल है। यात्रा, रहने, एंट्री फीस और कोचिंग का खर्च उठाना उनके लिए चुनौतीपूर्ण है। तमिज के पिता का कहना है कि अगर उन्हें पहले पता होता कि इस क्षेत्र में इतना खर्च आता है, तो शायद वे इस खेल को नहीं चुनते। लेकिन अब जब वह नंबर-1 खिलाड़ी है, तो हम उसे बीच रास्ते में नहीं छोड़ सकते। तमिज की इस यात्रा को जारी रखने के लिए अब उन्हें किसी बड़े प्रायोजक की जरूरत है। आर्थिक तंगी के कारण वे कई बार नेशनल और इंटरनेशनल टूर्नामेंट्स में हिस्सा नहीं ले पाए थे।

● पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच होर्मुज पार कर

मुंबई पहुंचा तेल टैंकर

● भारत और ईरान की 3 दिनों से हो रही थी चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच सऊदी अरब से कच्चा तेल लेकर आया लाइबेरियाई ध्वज वाला टैंकर ईरान की अनुमति से होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर सुरक्षित रूप से मुंबई पोर्ट पहुंच गया। भारत सरकार क्षेत्र में मौजूद भारतीय जहाजों और नाविकों की सुरक्षा पर लगातार नजर रखे हुए है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच एक लाइबेरियाई ध्वज वाला कच्चे तेल का टैंकर, जिसकी कमान एक भारतीय कप्तान के हाथ में थी, रणनीतिक रूप से अहम होर्मुज जलडमरूमध्य को पार कर सुरक्षित रूप से मुंबई बंदरगाह पहुंच गया। मीडिया सूत्रों के अनुसार यह टैंकर सऊदी अरब के रास तनुरा बंदरगाह से कच्चा तेल लेकर आया था।

कैसे भारत पहुंचा यह टैंकर?

मैरिटाइम ट्रैकिंग डेटा के अनुसार, इस टैंकर ने 1 मार्च को सऊदी अरब के रास तनुरा पोर्ट से कच्चा तेल लोड किया था और 3 मार्च को वहां से रवाना हुआ। 8 मार्च को जहाज को होर्मुज जलडमरूमध्य में ट्रैक किया गया, जिसके बाद यह

कुछ समय के लिए ट्रैकिंग सिस्टम से गायब हो गया था। रिपोर्ट के मुताबिक जहाज ने जोखिम भरे समुद्री क्षेत्र से गुजरते समय अपना ऑटोमैटिक आइडेंटिफिकेशन सिस्टम (एआईएस) ट्रांसपोंडर बंद कर दिया था। यह प्रणाली जहाज की पहचान, स्थिति, गति और दिशा की जानकारी प्रसारित करती है, जिससे समुद्री यातायात को सुरक्षित रखने में मदद मिलती है।

जहाज में कितना तेल है मौजूद- टैंकर बुधवार दोपहर करीब 1 बजे मुंबई पोर्ट पहुंचा और शाम 6:06 बजे जवाहर द्वीप टर्मिनल पर बर्थ किया गया। जहाज में लगभग 1,35,335 मीट्रिक टन सऊदी कच्चा तेल है, जिसे पूर्वी मुंबई के माहुल स्थित रिफाइनरियों को आपूर्ति किया जाएगा। तेल उतारने की प्रक्रिया करीब 36 घंटे तक चलने की संभावना है।

भारतीय नागरिकों की भी मदद कर रहे : जायसवाल

केंद्र सरकार ने गुरुवार को कहा कि पश्चिम एशिया में संकट के बीच भारत की ईरान से तीन बार बातचीत हुई है। हालांकि बातचीत को लेकर क्या नतीजा निकला, इसके बारे में कोई ठोस जानकारी साझा नहीं की गई। विदेश मंत्रालय

के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि विदेश मंत्री एस जयशंकर की ईरान के विदेश मंत्री के बीच हाल के दिनों में तीन बार बातचीत हुई है। पिछली बातचीत में जहाजों की सुरक्षा, भारती ऊर्जा सुरक्षा से जुड़ों मुद्दों पर चर्चा हुई थी। उन्होंने कहा कि इसके अलावा उनके लिए अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी ।रणधीर जायसवाल ने कहा, हम उन भारतीय नागरिकों की भी मदद कर रहे हैं जो अजरबैजान और आर्मेनिया जाना चाहते हैं और वहां से कमर्शियल फ्लाइट्स लेकर घर लौटना चाहते हैं। हम उन्हें वीजा दिलाने में मदद कर रहे हैं। हम उन्हें सीमा पार कराने में भी मदद कर रहे हैं।

कई नागरिकों को सुरक्षित जगहों पर किया शिफ्ट

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया ईरान में लगभग 9,000 भारतीय नागरिक थे या हैं। इन 9,000 भारतीय नागरिकों में स्टूडेंट, नाविक, बिजनेस करने वाले, प्रोफेशनल और कुछ तीर्थयात्री शामिल हैं...कई इंडियन नागरिक, जिनमें ज़्यादातर स्टूडेंट हैं, देश छोड़कर घर पहुंच गए। हमने तेहरान में मौजूद कई इंडियन नागरिकों, जिनमें स्टूडेंट और तीर्थयात्री शामिल हैं, को देश के दूसरे सुरक्षित जगहों और शहरों में शिफ्ट कर दिया है।

एलपीजी को लेकर संसद के अंदर तकरार, बाहर नारेबाजी

● नरेंदर भी गायब, सिलेंडर भी गायब ● एलपीजी संकट पर राहुल ने कहा - बड़ी समस्या आने वाली है

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में गुरुवार को विपक्ष के सांसदों ने देश में सिलेंडर संकट के मुद्दे पर हंगामा किया। सांसदों ने संसद के बाहर 'नरेंदर भी गायब, सिलेंडर भी गायब'के नारे लगाए। राहुल गांधी ने सरकार से एलपीजी की कमी से निपटने के लिए तैयार रहने को कहा। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने एनर्जी सिक्योरिटी से समझौता किया, इसलिए बड़ी समस्या आने वाली है। रिपोर्ट्स के मुताबिक राहुल गांधी के नोटिस के बाद संसद गैस संकट पर चर्चा के लिए तैयार हो गई है। इससे पहले लोकसभा में स्पीकर ओम बिरला 10 फरवरी के बाद अध्यक्ष की चेयर पर बैठे। विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव बुधवार को खारिज हो गया।

संसद की सीढ़ियों पर बैठ कर विपक्ष ने चाय बिस्कुट खाया- राहुल गांधी समेत विपक्ष के सांसदों ने देश में एलपीजी संकट पर संसद परिसर में प्रदर्शन किया। 50 से ज्यादा सांसद मौजूद थे। नेता विपक्ष राहुल गांधी ने प्रदर्शन के दौरान संसद परिसर की सीढ़ियों पर विपक्षी सांसदों के साथ बैठकर चाय और बिस्किट खाए।

प्रधानमंत्री कहते हैं कि घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन वह खुद घबराए हुए: राहुल गांधी ने कहा- प्रधानमंत्री कहते हैं कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है। लेकिन वह खुद घबराए हुए लग रहे हैं, बिल्कुल अलग वजहों से।

संसद में राहुल बोले-

पेट्रोलियम मंत्री ने एपस्टीन को दोस्त कहा था, पुरी बोलने खड़े हुए तो विपक्ष ने एपस्टीन-एपस्टीन के नारे लगाये

राहुल गांधी ने लोकसभा में गुरुवार को एलपीजी संकट का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा, ' अभी तो दर्द की शुरुआत हुई है। रेस्टोरेंट बंद हो रहे हैं, एलपीजी को लेकर घबराहट है और सड़क किनारे के विक्रेता प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी देश की बुनियाद उसकी ऊर्जा सुरक्षा होती है। अगर अमेरिका यह तय करे कि हम रूस से गैस या तेल खरीद सकते हैं या नहीं, तो यह समझ से परे है। मैं समझने की कोशिश कर रहा हूं कि यह पहेली क्या है और यह समझौते से जुड़ी लगती है। तेल मंत्री खुद कह चुके हैं कि वे एपस्टीन के दोस्त हैं ।इसके बाद सदन में हंगामा शुरू हो गया। स्पीकर बिरला ने राहुल को टोका,जिस विषय पर नोटिस दिया है उस पर बोलिए। इस पर बोलना है तो नोटिस दीजिए। इतना कहते ही विपक्ष के सांसद हंगामा करने लगे। बिरला ने पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी को बोलने कहा- पुरी ने जैसे ही बोलना शुरू किया एपस्टीन-एपस्टीन के नारे लगे।

एमपी में अब दूध बेचने वालों के लिए लाइसेंस जरूरी

● मिलावट रोकने की दिशा में बड़ा कदम, दूध ले जाने वाले उपकरणों की होगी निगरानी

भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश में अब डेयरी सहकारी समितियों को छोड़कर सभी दूध उत्पादकों और दूध विक्रेताओं को लाइसेंस लेना अनिवार्य होगा। राज्य सरकार ऐसे सभी दुग्ध उत्पादकों और विक्रेताओं के पंजीकरण की प्रक्रिया भी शुरू करेगी। इसके साथ ही दूध संग्रह, परिवहन में उपयोग होने वाले उपकरणों और भंडारण व्यवस्था की जांच के निर्देश भी दिए गए हैं। सरकार का मानना है कि इससे मिलावटी दूध और दुग्ध उत्पादों पर रोक लगाने में मदद मिलेगी।

राज्य में ऐसे दूध उत्पादकों और विक्रेताओं की पहचान की जाएगी जो अभी तक पंजीकृत नहीं हैं। इसके अलावा दूध से जुड़ी गतिविधियों की निगरानी की मासिक रिपोर्ट भी तैयार की जाएगी।

मप्र में 213 लाख टन दूध का उत्पादन

मध्यप्रदेश देश के प्रमुख दुग्ध उत्पादक राज्यों में शामिल है। यहां देश के कुल दूध उत्पादन का करीब 9 प्रतिशत यानी लगभग 213 लाख टन दूध का उत्पादन होता है। राज्य में सांची दूध प्रमुख डेयरी ब्रांड है और ग्रामीण क्षेत्रों में दूध संग्रह को बढ़ावा देने के लिए 381 नई सहकारी समितियां भी कार्य कर रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश में दूध उत्पादन को 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य रखा है। इस दिशा में पिछले वर्ष नेशनल डेयरी डव्लपमेंट बोर्ड के साथ अनुबंध भी किया गया था। जानकारी के अनुसार प्रदेश में कुल दूध उत्पादन का लगभग 48 प्रतिशत हिस्सा भैंस के दूध का है। वर्ष 2023-24 की रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता 652 से 707 ग्राम प्रतिदिन रही।

हिजबुल्लाह ने इजराइल पर 150 मिसाइलें दागीं

तेल अवीव/तेहरान (एजेंसी)। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का आज 13वां दिन है। इजराइल को ईरान के साथ-साथ पड़ोसी देश लेबनान के उग्रवादी संगठन हिजबुल्लाह की चुनौती का भी सामना करना पड़ रहा है। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक ईरान समर्थक हिजबुल्लाह ने इजराइल पर 150 मिसाइलें दागीं। ब्रिटिश सेना के यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस सेंटर के अनुसार, दुबई में हुए हमले से पहले गुरुवार को ही फारसी खाड़ी में दुबई के तट के पास एक कंटेनर जहाज पर किसी चीज से हमला हुआ, जिससे जहाज में आग लग गई। सेंटर ने बताया कि जहाज का चालक दल सुरक्षित है।

मुख्यमंत्री ने शिवराज के साथ की कृषि भवन में बैठक

● अब सरसों पर भावांतर का लाभ, तुअर की पूरी फसल खरीदेगी सरकार ● मंत्री प्रहलाद के साथ शिवराज से मिले सीएम मोहन यादव